

## थारू जनजात संग्रहालय

### चर्चा में क्यों?

11 मई, 2022 को उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि बिलरामपुर ज़िले के थारू आबादी वाले इमलिया कोडर गाँव में राज्य का पहला आदवासी संग्रहालय 'थारू जनजात संग्रहालय' बनकर तैयार हो गया है।

### प्रमुख बंदि

- थारू जनजातकी जीवंत और वविधि संस्कृति और जीवन-शैली पर केंद्रति यह संग्रहालय 5.5 एकड़ में फैला हुआ है।
- इस संग्रहालय में थारु जनजातके बारे में समस्त जानकारी उपलब्ध होगी। यह उनके वकिस से लेकर समकालीन समय में उनके जीवन तक, वविधि वविरणों को समाहति करेगा। इसके अलावा संग्रहालय उनकी संस्कृति, धर्म, परम्परा, जीवन-शैली और सामाजिक जीवन पर भी प्रकाश डालेगा।
- बलरामपुर में नरिमति आदवासी संग्रहालय की तर्ज़ पर राज्य सरकार ने लखनऊ, सोनभद्र और लखीमपुर खीरी में भी आदवासी संग्रहालय स्थापति करने की कार्ययोजना बनाई है।
- इसके अलावा कन्नौज ज़िले में बच्चों के लये भी एक संग्रहालय बनाया जाएगा।
- संस्कृति विभाग द्वारा सरकारी अभलिखागार, लखनऊ में स्वतंत्रता की गाथा पर आधारति एक गैलरी 'आज़ादी की गौरवगाथा' के नरिमाण का भी प्रस्ताव रखा गया है।
- गौरतलब है कि थारू जनजात उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के तराई भाग में नविस करती है। यह उत्तर प्रदेश की सबसे उन्नत जनजातियों में से एक है। इनके द्वारा बजहर नामक पर्व मनाया जाता है।
- थारू जनजातको शकिषा प्रदान करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखीमपुर खीरी में एक महावदियालय की स्थापना की गई है।